पुस्तकालय और प्रलेख अनुभाग

डॉ श्रीमती एस. गिरिजा कुमारी,
वरिष्ठ पुस्तकालय सहायक,
सी एम एफ आर आइ, कोचीन

शोध कार्यों को आवश्यक सूचना प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्यालय में एक पुस्तकालय कार्यरत है। यह पुस्तकालय मात्स्यिकी और सम्बद्ध विषयों से संबंधित बहुत ही पुराने और असाधारण प्रलेखों के बहुत बडे संकलन के साथ भारत के सर्वोत्तम सूचनात्मक पुस्तकालयों में स्थान पाता है। यह केंद्रीय पुस्तकालय है जिसके अधीन एक क्षेत्रीय और 11 अनुसंधान केंद्रों के पुस्तकालय शोधकर्ताओं को आवश्यक सूचना प्रदान करने के अतिरिक्त अधीनस्थ पुस्तकालयों को ऋण व्यवस्था में किताब और अन्य अपेक्षित सहायता प्रदान करता है ।

सुविधाएं

- ★ किताबों, पत्रिकाओं, रिपोर्टों, शोधपत्रों और खोजयात्रा रिपोर्टों का अच्छा खासा संग्रहण।
- ★ प्रलेखों का अच्छा खासा संकलन
- ★ सन्दर्भ सुविधाओं की पूर्ति करना
- ★ फोटोकोपियिंग , ग्रंथ - विर्वारिणिका प्रकाशनों की सूची जैसी सूचना सेवाएं प्रदान करना
- ★ सीडी-रोम के ज़रिए ग्रंध सूचना प्रदान करना
- ★ सूचनाओं के आदान-प्रदान केलिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ सहयोग सेवा
- ★ मुख्यालय कोचीन के केंद्रीय और केंद्रों के अधीनस्थ पुस्तकालयों में किताबों, पत्रिकाओं, रिपोर्टें का मूल्यवान संकलन है। कुल मिलाकर संग्रहण 60,000 के सन्निकट है। यह पुस्तकालय 83 विदोशीय और 40 भारतीय पत्रिकाओं का ग्राहक भी है। इसके अतिरिक्त लगभग 190 पत्रिकाएं मुफ्त व विनिमय में प्राप्त होती हैं।

पुस्तकालय में सीडी-नेट व इन्टेरनेट सुविधायें उपलब्ध कराई गई है ताकि सूचनाओं का आसान संकलन हो जाए ।

प्रलेखों की व्यवस्था

किताबों को कोलोन वर्गीकरण के अनुसार वर्गीकृत और सूचीबद्ध किया गया है। प्रत्येक किताब को क्लास नंबर होता है और इस नंबर के अनुसार शेल्फ में रखी हुई है। किताबों की सूची में विभिन्न प्रकार की प्रविष्टियाँ होती है। प्रमुखतः प्रविष्टि क्लास नंबर, ग्रंथकार और शीर्षक के अधीन और अनुक्रम प्रविष्टियों को वर्णक्रम के अनुसार रख दी गयी है। विश्व विज्ञान कोश, शब्दकोश विज्ञापन वार्षिकी, निदेशिका, थीसिस, शोध पत्र चार्ट, रिपोर्ट आदि को अलग संकलन के रूप में रख दिये गये है। इसके अतिरिक्त एफ ए ओ, यू एन डी पी, बी ओ बी पी, एस इ ए एफ डी इ सी और प्रमुख मात्स्यिकी संगठनों के प्रकाशनों को विभिन्न संग्रहण के रूप में वर्गीकृत किया गया है। मुख्य खोजयात्रा रिपोर्टों में सिबोगा, वाल्दीविया, चलेंजर, जोन मुरे और आइ आइ ओ इ भी शामिल है।

पत्रिकाओं के पूर्व प्रकाशनों को जिल्द करके कालक्रमानुसार रख दिया गया है। हाल के प्रकाशनों को निदर्शन रैक में वर्णक्रम के अनुसार व्यवस्थित करके रखते है। गौण पत्रिकाओं को अलग संचय के रूप में रख दिया है जिनमें जलीय विज्ञान और मात्स्यिकी सारांश जैविक सारांश, मात्स्यिकी समीक्षा, पर्यावरण सारांश, भारतीय विज्ञान सारांश आदि शामिल है। इनमें जलीय विज्ञान और मात्स्यिकी सारांश और जैविक सारांशों को 1999 से सी डी - रोम फोर्माट उपलब्ध कराया गया है। प्रमुख संगठनों के न्यूज़लेटेर्स (समाचार) भी यहाँ उपलब्ध है। पुस्तकालय के माइक्रोफिल्म रीडर-कम-प्रिन्टर में माइक्रोफिल्म पढने या मुद्रण करने की सुविधा उपलब्ध है।

किताबों को ढूँढ निकालने का वर्तमान तरीका कार्ड कैटलोग है. किताबों और पत्रिकाओं के डाटाबेस का निर्माण सी डी एस/ आइ एस आइ एस कार्यक्रम के अधीन चालू है। इसके पूरे हो जाने पर पुस्तकालय की सूचना एवं प्रलेखों को ढूँढना और भी आसान हो जाएगा।

सेवा की व्यवस्था

संस्थान के सभी कर्मचारी और छात्र पुस्तकालय से किताबें उधार में ले सकते है। इसकेलिए उधार - टिकट का प्रबन्ध किया गया है। साधारणतया ढीला पत्रिका और संदर्भ पुस्तिकाओं की जारी नहीं होती है लेकिन कुछ विशेष मामलों में केवल एक दिन केलिए इनकी जारी की जाती है। अन्य मामलों में उधार की अवधि 30 दिन है । 30 दिनों के बाद अवधि बढाये जाने की सुविधा भी है। निर्धारित अवधि में किताबें वापस नहीं करने पर प्रति दिन 50 पैसे की दर में जुरमाना लगाया जाता है।

अन्य संगठनों के पुस्तकालयों से किताबें लेने केलिए उपभोक्ताओं से प्राप्त निवेदन उन संगठनों को भेज देते है और किताबें प्राप्त होने पर माँगकर्ताओं को देते है। इसी प्रकार अन्य संगठनों के पुस्तकालयों को उधार में पुस्तक देने की व्यवस्था भी है।

अन्य संस्थानों / विश्वविद्यालयों / कॉलेजों के कर्मचारियों और छात्रों केलिए संदर्भ लेने की सुविधा भी पुस्तकालय में देती है। पुस्तकालय में प्रवेश पाने केलिए इनको अपने संस्थान से परिचय पत्र और पहचान कार्ड लाने चाहिए। समाचार पत्रों में आनेवाले मात्स्यिकी से संबंधित लेखों को काट-चिपकाकर हवाला देने केलिए रख दिया जाता है।

पुस्तकालय का कार्य समय, सबरे 9.30 बजे से शाम 4.30 तक है। अपराह्न 1.00 से 1.30 बजे तक भोजनावकाश है।

संस्थान के प्रकाशनों का वितरण पुस्तकालय से किया जाता है। प्रमुख प्रकाशन निम्नलिखित हैं ।

- सी एम एफ आर आइ वार्षिक रिपोर्ट
- सी एम एफ आर आइ समाचार
- सी एम एफ आर आइ बुलेटिन
- सी एम एफ आर आइ विशेष प्रकाशन
- समुद्री मात्स्यिकी सूचना सेवा
- भारतीय मात्स्यिकी पत्रिका

भावी योजनाएं

पुस्तकालय सेवा बढाने केलिए लान (Lan) और किताबों के आदान-प्रदान केलिए बारकोड तकनॉलजी पर प्रस्ताव रखा गया है। ❑

केंद्रों का विहगावलोकन

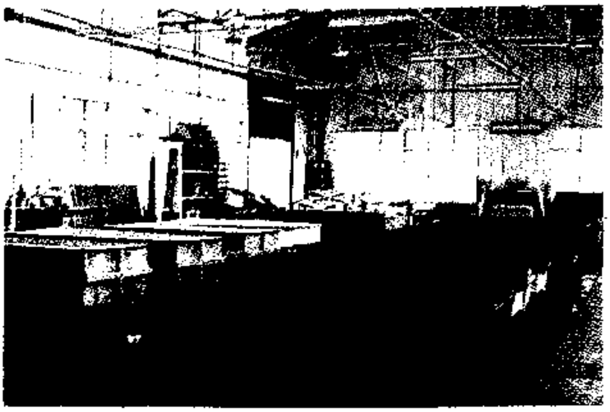

टूटिकोरिन की मुक्ता शुक्ति प्रयोगशाला का एक दृश्य

मिनिकोय अनुसंधान केंद्र

विषिंजम की समुद्री जलजीवशाला का प्रवेश द्वार

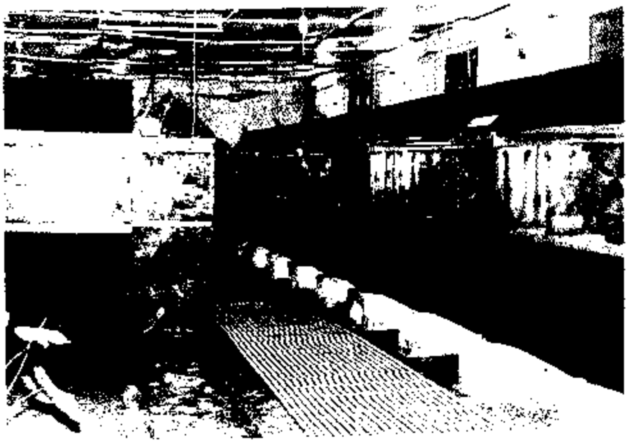

विषिंजम की जलजीवशाला का एक दृश्य

स्फुटनशाला में हाल में स्फुटित बाँगडा डिंभक

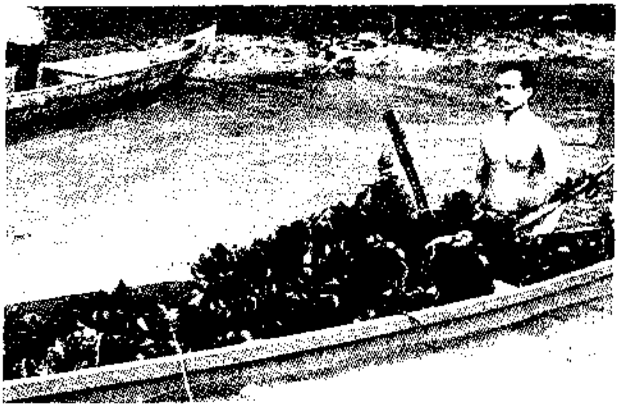

पालन में मिले हरित शंबु

उत्तर केरल के समुद्र में मछलियों केलिए बनाए कृत्रिम आवास

बंगदा- मंगलूर की एक प्रमुख मछली संपदा

शंबुपालन रीतियों के प्रचार से- उत्पादन में वृद्धि

गभीर सागर झींगा ढेर-माँगलूर में मिली पकड़

वेरावल केंद्र का नया मकान

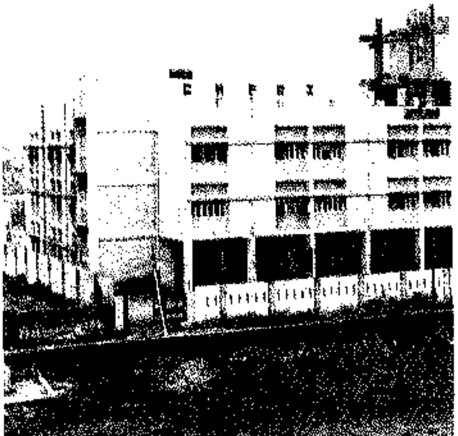

[illegible]

वेरावल केंद्र का संग्रहालय

वेरावल की एक मुख्य पकड बम्बिल मछली - सुखाई गई मछली बिक्री केलिए तैयार

भारतीय तटों का एक पसंदीदार संपदा - तारली

पालन रीतियों पर प्रशिक्षण - झींगा पालन